Roll No. ..... Total Pages : 4

CMDE/M-24 **10252**

मोहन राकेश

Paper–MAH 205 (V)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : निर्देशानुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. दिए गए पाठांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

मैं वास्तव में कौन हूं? यह एक ऐसा सवाल है जिसका सामना करना इधर आकर मैंने छोड़ दिया है। जो मैं इस मंच पर हूँ, वह यहां से बाहर नहीं हूं, और जो बाहर हूं..... खैर इसमें आपकी क्या दिलचस्पी हो सकती है कि मैं यहां से बाहर क्या हूं? शायद अपने बारे में इतना कह देना ही काफी है कि सड़क के फुटपाथ पर चलते आप अचानक जिस आदमी से टकरा जाते हैं, वह आदमी मैं हूं।

अथवा

इसी तरह सब कुछ निर्धारित करता। इस परिवार की स्त्री के स्थान पर कोई दूसरी स्त्री किसी दूसरी तरह से मुझे झेलती या वह स्त्री मेरी भूमिका ले लेती और मैं उसकी भूमिका लेकर उसे झेलता। नाटक अंत तक फिर भी इतना ही अनिश्चित बना रहता और यह निर्णय करना उतना ही कठिन होता कि इसमें मुख्य भूमिका किसकी थी..... मेरी, उस स्त्री की, परिस्थितियों की, या तीनों के बीच से उठते कुछ सवालों की। (8)

2. पाठ बोध के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें :

कुछ देर मुझे लगता रहा जैसे मेरे आस पास एक बहुत तेज सांस चल रही है जो धीरे-धीरे दबे पैरों, सारे वातावरण पर अधिकार करती जा रही है, और आसपास की हर चीज अपने पर उसका दबाव महसूस कर रही है। पानी की बौछार कुछ धीमी पड़ने लगी तो मैंने फिर से जाली की तरफ करवट बदल ली और पहले की तरह ही बाहर देखने लगा। तभी पास ही झन्न से किसी चीज के गिरने की आवाज सुनाई दी।

(क) पाठांश का उपयुक्त शीर्षक दें।

(ख) पाठांश का मूल भाव क्या है?

(ग) उक्त वाक्य में किसके मन के भाव हैं?

(घ) रचना और लेखक का नाम। (4×2=8)

3. निम्न आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दें :

(क) मोहन राकेश के सामाजिक व सांस्कृतिक प्रवेश का वर्णन करें।

अथवा

मोहन राकेश के साहित्यिक चिंतन को स्पष्ट करें।

(ख) मोहन राकेश का साहित्य मध्यवर्ग के परिवेश को समेटे हुए है, स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मोहन राकेश के साहित्य में स्त्री अपनी मुक्ति के लिए छटपटाती नजर आती है, स्पष्ट करें।

(ग) मोहन राकेश एक सफल कहानीकार हैं, इस कथन की पुष्टि करें।

अथवा

मोहन राकेश के नाटक स्मृति पटल पर अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं, स्पष्ट कीजिए। (12×3=36)

4. किन्हीं **चार** लघु उत्तरी प्रश्नों के उत्तर दें :

(क) कहानी एक और जिन्दगी : विषयवस्तु।

(ख) कहानी जानवर और जानवर : मूल संवेदना।

(ग) कहानी मलबे का मालिक : उद्देश्य।

(घ) मोहन राकेश : उपन्यासकार।

(ङ) मोहन राकेश के नाटकों की भाषा-शैली।

(च) नाटक आधे अधूरे : सावित्री जी का चरित्र चित्रण।

(छ) मोहन राकेश : विभाजन की त्रासदी। (5×4=20)

5. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दें :

(क) आधे अधूरे नाटक की भूमिका के बहाने..... किसके द्वारा लिखी गई?

(ख) आधे अधूरे नाटक का पहला मंचन किसके निर्देशन में हुआ था?

(ग) मिस पॉल कहानी का प्रकाशन वर्ष।

(घ) आर्द्रा कहानी के पात्र वकील की पत्नी का क्या नाम है?

(ङ) मोहन राकेश के **दो** उपन्यासों के नाम।

(च) 'पैरों तले की जमीन' मोहन जी की किस विधा की रचना है?

(छ) 'वारिस' राकेश जी की किस विधा की रचना है?

(ज) नाटक लहरों के राजहंस : प्रकाश वर्ष। (1×8=8)